दिल को छू लेने वाली योजना:
सेहत संदेश वाहिनी

उत्तर प्रदेश सरकार की एक अनूठी पहल सेहत “संदेश वाहिनी” वीडियो वैन परियोजना, आर.एम.एन.सी.एच.ए को ध्यान में रख कर राष्ट्रीय स्वास्थ्य भवन की योजनाओं के अन्तर्गत उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए उत्तर प्रदेश के दुरस्थ ग्रामों में सिफ्सा द्वारा संचालित की जा रही है।

सेहत संदेश वाहिनी परियोजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य भवन के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा एक अद्वितीय प्रयास है, जिसके माध्यम से जागरूकता एवं विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के प्रचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए फिल्मों के माध्यम से प्रजनन, मातृ, नवजात शिशु, बच्चे और किशोर स्वास्थ्य के मुद्दों के दृश्य रामायण लोगों को जागरूक करते हुए उनके व्यवहार में बदलाव लाने की कोशिश है ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण समुदायों को आकर्षित कर अधिक से अधिक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जा सके।
दर्शकों पर कार्यक्रम की छापः

व्योम ग्राम विकास खण्ड परिवारी जनपद कानून के लगभग 65 कि.मी. दूर है। यह गांव सूरतकोट के पश्चात अंधेरे में बूढ़ा जाता है, इस गांव में वर्षा से बिजली नहीं पहुँचती है। 18 अप्रैल 2016 की शाम को जब अंधेरा हो गया तो निमित्तेश आशा बहू (माता जनपद सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) की गांव के बिजलियों द्वारा आशा बहू के रूप में जाना जाता है, पर यह सामने कांबी 450 गिलासी सेहत संदेश वाहनी, कार्यक्रम को देखने हेतु एकत्रित होता है। गांव के लिए यह एक अनोखी पहचान है, क्योंकि इससे पहले इस तरह का कोई भी आयोजन इस गांव में नहीं हुआ था। शिशुओं के साथ साथ मनोरंजन युक्त लघु चित्र कथाओं के माध्यम से राष्ट्रीय स्वास्थ्य विश्वास की परियोजनाओं तथा इससे संबंधित बुद्धियों को जानना एवं समझना उनके लिए काफी रोचक रहा। जो महिलाएं ग्राम बनाने हेतु चली गयी वहीं वापस कार्यक्रम को देखने के लिए आ गयी। प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम तत्त्व के अंत में कार्यकारी द्वारा उपस्थित किया गया था, जिसमें किशोर-किशोरियों ने भी बढ़-ढढ कर भाग लिया।
एक प्रतिभागी अमेठि ने कहा कि “कार्यक्रम अधिक महत्वपूर्ण है। यह केवल आज हो रहा है, जबकि कटाई हर दिन होता है और हम इंतजार कर सकते हैं”

गांव शिवाला कलाए, वॉकर ओर, जनपद अलीपुर में दिनांक अप्रैल 06, 2016 को अति उत्साहित सेहत संदेश वाहिनी कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन गांव के लोकप्रिय व्यक्ति डा. गोपुल के घर के सामने किया गया था। कार्यक्रम में कम से कम 150 पुरुषों, महिलाओं, किशोर-किशोरियों और बच्चों के साथ भाग लिया। गांव की (मान्यता प्राप्त सामाजिक कार्यकर्ता) आशा बहू शालनी की टिप्पणी निम्नलिखित थी: “यह समय मुख्य कटाई का ज होने के कारण गांववासी अधिक संख्या में कार्यक्रम देखने आये।” गांववासी के अवैध पर कार्यक्रम निर्धारित समय से एक घंटे पूर्व ही शुरु हो गया था। सेहत संदेश वाहिनी की टीम गांव में दोपहर 2:30 बजे पंद्रह कर गांव के प्राधान्य से मिलने के बाद गांव में कार्यक्रम के बारे में मुद्रण भत्ता की सहायता से गांव में 20 घंटे जाकर हेन्डिल का वितरण किया। आशा ने बताया कि टीम ने गांव में चार घंटे को कार्य कर रही थी। अधिक अंधेरा होने के कारण कई महिलाओं वे गांव बाहर एवं घर के अन्य कार्ये हेतु कार्यक्रम का बीच में छुड़ कर जाना पड़ा। परन्तु सवाल-चरण से पूर्व आकर सभी ने भाग लिया।

ग्राम पिंडुरा, विकास क्षेत्र सहारा, जनपद हावड़ा में दिनांक अप्रैल 7, 2016 को आयोजित किया गया। गांव की आशा बहू-जुधू डैपी पुरे परिवार सहित, उसकी दो बेटियों और पति ने शामिल होकर सेहत संदेश वाहिनी कार्यक्रम की आयोजना के अनुसार घर के पास चुले मैदान में फूल, जो सभी के लिए उपयुक्त थी। निधित्त समय से पूर्व गांव के लोग कार्यक्रम शुभ्र कर पंद्रह लगे, पुलिस ने खतिया पर, महिलाओं एवं किशोरियों ने दरभंगा पर आराम ग्रहण किया जबकि किशोर सुंदर भी गांव को देखते आये।

सेहत संदेश वाहिनी की टीम दोपहर 2:30 बजे के आस पास गांव में पंद्रह कर आशा के साथ गांव के चारों ओर सभी घरों में गांव में होने वाले कार्यक्रम का चार एवं हेन्डिल का वितरण किया। उत्कृष्ट दुनिया के बाहर आंदोली-डिजिटल लघु फिल्मों द्वारा दर्शकों को मंदिर मुख्य कर रहा है। तीज देरी मातृ मुख्य दर के लिए आधारित लघु फिल्म महिलाओं द्वारा वही तलीनी से देखी जाती। आशा बहू और फिल्म में उसकी उपचारिता का उल्लेख युवक सीने ने कहा “ देखो मातृ की बात हो रही है।” हालांकि, लालच के एक घंटा शो देखने के बाद कई महिलाएं ये कहते हुए उत्तर लगे कि घर का अन्य कार्य एवं खाना बनाना है। कार्यक्रम के दौरान आशा के पति ने दर्शकों को पासी पिठाया तथा आशा एवं ए.ए.ए.म. बहूजी ने कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को रक्षने के लिए प्रोत्साहित किया। काउंसलर द्वारा आवाज दिलाया गया कि कार्यक्रम के अन्त में प्रशिक्षण के दौरान विजेताओं को आर्थिक पुरस्कार प्राप्त करने के अवसर है, दर्शकों का रोकने में सहायक हुए। कार्यक्रम के अन्त में एक स्थान प्रशिक्षणी सत्र का आयोजन काउंसलर द्वारा आयोजित किया गया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।
Sehat Sandesh Wahini: taking villages of UP by storm!

इसी प्रकार उत्साह एवं भावनाओं के साथ हजारों गांवों में राज्य भर में सेहत संदेश वाहिनी फिल्म दिखायी जा रही है। सेहत संदेश वाहिनी के शो ज्यादातर दूरदराज के गांवों में किये जा रहे हैं। कार्यक्रमों का अनुभव नियामित रूप से ब्लॉक और जिला स्तरीय राष्ट्रीय स्वास्थ्य भिंडन के अधिकारियों एवं मंडल तथा सिक्स स्तर के अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है।

सेहत संदेश वाहिनी फिल्म ने विशेष कर महिलाओं के दिल को छू लिया है और वे इस फिल्म की कहानी में खुद का प्रतिबिंब देखती हैं।

सिफ्सा
SIFPSA
ओम बॉलास डॉमर, 19-प,
बिहार सभा भाग्य,
लखनऊ - 226001, उत्तर प्रदेश
फोन: 0522 - 223797, 98, 2237540
फेक्स: 0522 - 2237574
देव: www.sifpsa.org